# ANNUAL SECONDARY EXAMINATION, 2018

## HINDI (हिन्दी)

**समयः 3 घण्टे]** **SET-A** **[पूर्णांक: 100**

**सामान्य निर्देश :**

1. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिए गए निर्देश के आलोक में ही लिखें।

3. 1 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में, 2 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 40 शब्दों में, 3 अंक के प्रश्नों के उतर प्रत्येक लगभग 60 शब्दों में, 4 अंक के प्रश्नों का उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में, 5 अंक के प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में एवं 10 अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखें।

### खण्ड-क : अपठित गद्यांश (20 अंक)

**प्रश्न 1. नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :**

और वह कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है। सामने तीन बकरियाँ, जिनमें से एक के मोटे थन से एक पठेरु लटक रही, थोड़ी दूर पर एक गाय चर रही और एक बछवा गर्दन को पेट में घुसेड़े सो रहा। दाहिनी ओर एक बुढ़िया घास छील रही; और वह कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है।

पूरबा हवा आग की धधक को रह-रहकर बढ़ा देती है, वह लकड़ी से कंडे पर रखी चीज को उलट-पुलट देता है। आग की दहक से चेहरा झुलस रहा है उसका, लेकिन उस पर उल्लास ही उल्लास नाच उठता है, रह-रह कर वह बड़े प्रेम से कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है जो दूर पर कई खेतों में हल चलाये जा रहे हैं और ढोरों का एक बड़ा झुंड ऊपरली परती में चर रहा है, नदी कछार के झौए के वन में हिलोर है, हहास है। अभी एक बटेर फर से उड़ गयी है, हवा की तेज पंखों की आरी से चीरती-सी; गाँव की धुँधली छाया की पृष्ठभूमि में दो ताड़ के पेड़ गर्वोन्नत मस्तक उठाए झूम रहे हैं। और वह बड़े जतन से कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है।

सूखे हुए नाले में एकाकी बगूला उपवास खड़ा है। कटे हुए गेहूँ के खेत में शून्यता ही शून्यता है, और वह बड़े ही आनंद से कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है।

यहां दस साल का होगा वह । प्रकृति ने कैसा क्रूर मजाक किया है। उसके चेहरे से न रंग न रूप, काला भूत। निकला हुआ पेट मानों उसकी शाश्वत बुभुक्षा का डंका पीट रहा है। सूखी टांगों को फैलाए, मोटे होठों से लार टपकता, भद्दी उंगलियों से वह कड़े की आगी में कोई चीज भून रहा है।

अभी सड़क से बस गुजरी है- खचाखच भरी हुई । एक भारी भरकम सेठ-दम्पत्ति, कम उम्र रिक्शेवाले का कचूमर निकालते वे चले जा रहे हैं। बैलगाड़ी पर ऊँघते गाड़ीवान के मुँह से बिरहा की कड़ी टूट-टूटकर रह जाता है। सड़क पर इतने लोग क्यों चलते हैं और सबके पैर इतनी तेजी से क्यों उठा करते हैं? क्या शहर में लड्डू बँटते हैं? बँटा करें- वह तो कड़े की आगी पर कोई चीज भूनने में ही मग्न हैं? चीज शायद भुन गई । लार पतली होकर चू-चू पड़ती है। कड़े से निकली चीज को वह तलहथी पर लेता है -तलहथी जल रही है, किंतु इस नायाब चीज को फेंके कैसे?

मुँह में रख लेता है । किन्तु इतनी गर्म जीभ को भी बर्दाश्त नहीं। दो-एक बार मुँह खोलकर, हवा लेने की कोशिश करता है, किंतु कंडे की आगी में भुनी हुई चीज की आग कम नहीं हो रही ! क्या थूक दें ? नहीं, नहीं- यह भूल उससे नहीं होगी! वह निगलने की कोशिश कर रहा है। काली पेशानी पर पसीना-पसीना है, साँस फूल रही है, कंठ झुलस रहा है, नाक में सोंधी गंध है, मन में साँय-साँय आवाज, जीभ का पानी कहाँ सूख गया कम्बख्त? वह निगले तो कैसे-उगले तो कैसे? आँखों में अब पानी पानी है - यह पानी जीभ पर क्यों नहीं आता?

अभी-अभी एक चील सर के ऊपर मंडराकर चली गयी और दो कौंवे उसके सामने काँव-काँव करते, अपनी हिस्सेदारी की याद उसे दिला रहे हैं, और वह कंडे की आगी में भुनी हुई उस नायाब चीज को जैसे-तैसे निगलकर कैसी तृप्ति की सांस ले रहा है।

**प्रश्न-**

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) आपकी दृष्टि में कौन कंडे की आगी में कोई चीज भून रहा है?

(ग) बुढ़िया क्या कर रही है?

(घ) आग की दहक से बच्चे का चेहरा कैसा लग रहा है?

(ङ) गाँव की पृष्ठभूमि में कौन, कैसे मस्तक उठाए झूम रहे हैं?

(च) सूखे हुए नाले में कौन खड़ा है?

(छ) प्रकृति ने क्रूर मजाक किसके साथ किया?

(ज) दस साल के बच्चे का व्यक्तित्व कैसा है?

(झ) 'शाश्वत - बुभुक्षा' का अर्थ लिखिए।

(ञ) सड़क का दृश्य कैसा है?

(ट) सड़क के दृश्य का वर्णन करें।

(ठ) भूने हुए चीज की हिस्सेदारी कौन-कौन लेना चाहते हैं?

**प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-**

भूखा मनुष्य क्या पाप नहीं करता अर्थात् सभी पाप करते हैं। धन से क्षीण मनुष्य दयाहीन हो जाता है। उसमें कर्त्तव्य और अकर्तव्य का विवेक नहीं रहता। यही दशा आज के युग की है। चोरी और डकैतियाँ छीना- छपटी, और लूट-खसोट सुनाई पड़ती है। कहीं बैंक लूटने का। मनुष्य के जीवन से आननद और उल्लास न जाने कहाँ जाते रहे। उसे अपनी और अपने परिवार की रोटियों की चिंता है, चाहे उसका उपार्जन सदाचार से हो या दुराचार से।

आजकल श्रमिक हो या अनवरत बौद्धिक श्रम करने वाला विद्वान, सभी बेरोजगारी के शिकार बने हुए हैं। निरक्षर तो किसी तरह अपने पेट भर लेते हैं। परंतु पढ़े-लिखे लोगों की स्थिति बहुत खराब है। यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि हम स्वतंत्र तो है किंतु आर्थिक दृष्टिकोण से निश्चित रूप से परतंत्र हैं। एक सुखी-सम्पन्न है तो पचास दुखी और दरिद्र। ऐसा नहीं है कि यह समस्या नहीं है। द्वितीय महायुद्ध से पहले यह समस्या भारत में विद्यमान थी। प्रश्न केवल यह है कि इस समय यह समस्या अपनी चरम सीमा पर पहुँच गयी है।

यह भी ठीक ही है कि बढ़ती हुई जनसंख्या में बेरोजगारी की समस्या को और भी बढ़ा दिया है। साधन, सुविधाएँ और उत्पादन तो वही रहा। परंतु उपभोक्ता अधिक हो गये हैं। उदाहरण के तौर पर घर में कमानेवाला एक हो और खानेवाले दस हो, तो दरिद्रता अवश्य आयेगी। बस यही दशा भारतवर्ष की हो रही है। यहाँ की सामाजिक

परम्परा भी इसका मुख्य कारण है। बहुत से नकराओं ने भीख मांगना अपना व्यवसाय बना लिया है जबकि साधु-सन्यासियों को है। इसके अतिरिक्त भूमिगत जल कभी खारा होता है और कभी उसका रासायनिक संघटन स्वास्थ्य के लिये हानिकारक होता है। इसी पानी को स्वच्छ करके मानवीय उपयोग के लायक बनाने की कोई व्यवस्था नहीं होती।

**प्रश्न-**

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ख) पहले सब जगह सुलभ पानी अब दुर्लभ क्यों हो गया है?

(ग) आज जल एक बहुमूल्य संसाधन क्यों बन गया है?

(घ) नगरों में पेय जल की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?

(ङ) नगरों में झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में बीमारी का क्या कारण है ?

(च) ग्रामीण क्षेत्रों में पेय जल का अभाव क्यों है?

(छ) उपयोग का विलोम शब्द लिखिए।

(ज) 'जनसंख्या' कौन समास है?

## खण्ड ख : रचना (15 अंक)

**प्रश्न 3. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखें:**

**(क) भारतीय नारी और शिक्षा** :

(संकेत बिन्दु-विविध मत, भारत में नारी शिक्षा का संक्षिप्त इतिहास, नारी निरक्षरता के कुपरिणाम नारी का महत्त्व, उपसंहार)

**(ख) हम और हमारी धरती** :

(संकेत बिन्दु-हम से तात्पर्य, धरती का अर्थ, हम और धरती दोनों में संबंध प्राकृतिक सुंदरता, धन सम्पन्नता सभ्यता और संस्कृति के विकास में सहायक)

**(ग) बिरसा मुण्डा** :

(संकेत बिन्दु-भूमिका, बाल्यावस्था एवं शिक्षा, कार्य क्षेत्र, अंग्रेजों से संघर्ष)

**प्रश्न 4. अपनी वार्षिक परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए पिताजी को एक पत्र लिखिए।**

अथवा

**चार दिनों की छुट्टी के लिये अपने प्रधानाचार्य को एक आवेदन पत्र लिखिए।**

## खण्ड ग : व्यावहारिक व्याकरण (15 अंक)

**प्रश्न 5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:**

(क) सजीत गा रहा है। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए।)

(ख) मैं समाचार पत्र पढ़ता हूँ। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए ।)

(ग) वह प्रतिदिन कई किलोमीटर दौड़ता है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए)

**प्रश्न 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए :**

(क) आज धन ..... कोई नहीं पूछता।

(ख) पता नहीं वह ..... चला गया।

(ग) ..... ! कहाँ से बदबू आ रही है।

**प्रश्न 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:**

(क) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण दीजिए ।

(ख) यह वही शहर है, जहाँ मेरा भाई रहता है। (सरल वाक्य में बदलें)

(ग) शाम हुई और तारे निकले। (यह किस प्रकार का वाक्य है?)

**प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:**

(क) वाच्य के कितने भेव हैं? नाम सहित लिखिए।

(ख) छत पर कैसे सोओगे? (भाववाच्य में बदलें।)

(ग) कछुआ दौड़ नहीं सकता। (वाक्य किस वाच्य में बतायें।)

**प्रश्न 9. (क) 'देशभक्त' का समास विग्रह करें।**

**(ख) 'कमलनयन' कौन समास है?**

**(ग) 'कनक' के दो भिन्न अर्थ लिखें।**

## खण्ड - घ : पाठ्य पुस्तकें (50 अंक)

**प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया,
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्ण है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवि यश, वैभव, मान और सम्मान को क्यों अस्वीकार कर रहा है?

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं?

(घ) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्ण' का अर्थ लिखें।

**अथवा**

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी दिखाई मत देना ।

**प्रश्न-**

(क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए ।

(ख) आपके विचर से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होनां पर लड़की जैसी मत दिखाई देना ?

(ग) वस्त्र और आभूषण को स्त्री जीवन का बंधन क्यों कहा गया है?

(घ) माँ ने अपनी कन्या को अपने चेहरे पर रीझने के लिए क्यों मना किया?

**प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?

(ख) कवि देव ने 'श्री ब्रजदूलह' किसके लिए प्रयुक्त किया है और उन्हें संसार रूपी मंदिर का दीपक क्यों कहा गया है?

(ग) 'फसल' को हाथों की 'गरिमा और महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहा है?

(घ) लक्षमण के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

**प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं? 'छाया मत छूना' कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?

(ख) अपने किसी मित्र के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

**अथवा**

(क) कवि नागार्जुन के अनुसार 'फसल' क्या है?

(ख) 'कन्यादान' कविता में बेटी को क्या सीख दी गयी हैं?

**प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हम में से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) किसे सबसे अधिक छायादार, फल-फूल भरा कहा गया है और क्यों?

(ग) मानवीय करुणा की दिव्य चमक लहलहाने वाला किसे कहा गया है?

(घ) 'यज्ञ की पवित्र आग की तरह' कहने का क्या आशय है?

**अथवा**

'नवाब साहब ने संतृष्ण आंखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा । खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होंठों तक ले गया। फाँक को सूंघा । स्वाद के आनंद में पलकें मूँद गईं। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गए।"

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ख) नवाब साहब ने खीरे का रसास्वादन किस प्रकार किया ?

(ग) 'दीर्घ निश्वास लेना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

(घ) 'सतृष्ण आंखों से' का क्या अर्थ है?

**प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(क) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?

(ख) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(ग) 'लखनवी अंदाज' शीर्षक पाठ में लेखक का नवाब साहब के किन हाव-भावों में महसूस हुआ कि वह उनसे बातचीत करने के लिये तनिक भी उत्सुक नहीं हैं।

(घ) मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का महत्त्व होता है परंतु महानगरों में रहनेवाले लोग प्राय: 'पड़ोस कल्चर' से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार रखिए।

**प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

(क) किन महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये सूई-धागे का आविष्कार हुआ?

(ख) तब की शिक्षा प्रणली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है ?

**अथवा**

(क) 'लखनवी अंदाज' पाठ का क्या संदेश है?

(ख) शहनाई की दुनिया में डुमरांव को क्यों याव किया जाता है।

**प्रश्न 16. और देखते ही देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा- नई दिल्ली का काया पलट के लिये क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?**

अथवा

**हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। आपकी द्रष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है?**

**प्रश्न 17. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए:**

(क) सैलानियों की प्रकृति को अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है ?

(ख) प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

(ग) कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

(घ) गंतोक को मेहनतकश बादशाहों का शहर क्यों कहा गया है?